छोटी–छोटी गैय्या, छोटे–छोटे ग्वाल .....

छोटी–छोटी गैय्या, छोट–छोटे ग्वाल,
छोटो–सो मेरो मदन गोपाल ।।
आगे–आगे गैय्या, पीछे–पीछे ग्वाल,
बीच में मेरो मदन गोपाल ।। छोटी–छोटी.....
कारी–कारी गैय्या, गोरे–गोरे ग्वाल,
श्याम–वरण मेरो मदन गोपाल ।। छोटी–छोटी.....
घास खाए गैय्या, दूध पीवे ग्वाल,
माखन खावे मेरो मदन गोपाल ।। छोटी–छोटी.....
छोटी–छोटी लकुटी, छोटे–छोटे हाथ,
बंशी बजावे, मेरो मदन गोपाल ।। छोटी–छोटी.....
छोटी–छोटी सखियाँ, मधुबन बाग,
रास रचावे मेरो मदन गोपाल ।। छोटी–छोटी.....

जो रहीम उत्तम प्रकृति, का करि सकत कुसंग ।
चन्दन विष व्यापत नहीं, लपटे रहत भुजंग ।।